www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
17 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 185 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकी ढेर

इनमें एक लश्कर कमांडर,जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू में मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के



दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुठभेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन का दल नौपोरा अखरन इलाके में नियमित ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान पैदल पहुंचे दो आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान घायल हुए तीनों जवानों को जीएमसी अनंतनाग में भर्ती कराया गया। घायलों में हेड कांस्टेबल सोमवीर सिंह, कांस्टेबल राकेश दास और कांस्टेबल संतोष चंद्रू शामिल हैं। संतोष चंद्रू पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

पोस्टर चस्पा होने के तीन दिन बाद आतंकी हमला

कश्मीर में वांछित आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बीच पोस्टर चस्पा होने के महज तीन दिन बाद कुलगाम में आतंकी हमला हुआ। श्रीनगर के लाल चौक समेत प्रमुख स्थानों पर रविवार को लश्कर-ए-ताइबा के स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ भट समेत चार वांछित आतंकियों के पोस्टर लगाए गए थे। बुधवार को कुलगाम के अखरन में सुरक्षाबलों के नाके पर हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। रविवार को प्रताप पार्क, लाल चौक और श्रीनगर के अन्य प्रमुख स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में कुलगाम के खेवान चद्दर निवासी मोहम्मद लतीफ भट के अलावा सोपोर के बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और बारामूला के आबिद कयूम लोन की तस्वीरें और पते सार्वजनिक किए गए थे। इसके तीन दिन बाद बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे मीर बाजार के पास अखरन (नौपोरा) में नाके पर आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने फेरन के भीतर हथियार छिपा रखे थे। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद वे फरार हो गए।

बिलकिस बानो केस के 2 दोषियों की उम्रकैद निलंबित, सुप्रीम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी,कहा-दोनों 17 साल से ज्यादा जेल में बिता चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिंया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। एक दोषी का नाम एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब 3 साल बाद उसे इस मामले में आरोपी



बनाया गया था। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत की मांग का विरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

160 साल पुरानी कोठी में शिफ्ट होंगे डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 160 साल पुराने और पुनर्निर्मित कुमार कृपा गेस्ट हाउस में रहने जा रहे हैं। इस गेस्ट हाउस का नाम बदलकर गंगा रख दिया गया है। सोमवार को डीके शिवकुमार के घर का पारंपरिक गृह प्रवेश समारोह हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ, हिंदू परंपराओं और शास्त्रों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान और विशेष पूजा करने के बाद इस हेरिटेज में प्रवेश किया। ये अनुष्ठान रविवार रात को शुरू हुए, जिसमें परिवार के सदस्यों ने तैयारियों में हिस्सा



लिया। यह समारोह कार्तिक महीने के एक शुभ समय पर आयोजित किया जा रहा है। पूजा और अन्य अनुष्ठान कराने वाले पुजारियों के दल का नेतृत्व नोनाविनाकेरे के संत अज्जैया कर रहे थे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इमारत के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। डीके शिवकुमार ने पूरी इमारत का जीर्णोद्धार इस तरह कराया है कि इसके मूल ऐतिहासिक ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचे। 1880 में बनी यह दो मंजिला पत्थर की इमारत 14 एकड़ में फैली हुई है। इसमें 12 कमरे, एक बड़ा हॉल और एक रसोईघर है। इमारत के कमरों के नाम नदियों के नाम पर रखे गए हैं। यह इमारत मूल रूप से मैसूर के दीवान रहे सर के. शेषाद्रि अय्यर का निजी आवास था। भगवान कुमारस्वामी के परम भक्त होने के कारण उन्होंने इस आवास का नाम कृमार कृपा रखा था। बाद में मैसूर के महाराजाओं ने इस इमारत को खरीद लिया।

आंखें बंद करता हूं तो सामने दिखते हैं दादा

पुणे (एजेंसी)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवाड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक



था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। दादा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था।

एसआईआर किसके इशारे पर हुआ, किसने बदला फॉर्म-6!

ज्ञानेश वह मार से 48 सवाल पूछने के लिए कांग्रेस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे में वोट चोरी से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है। कांग्रेस के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अब सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस ने जानकारी दी कि उसने आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और आईटी महानिदेशक व्यक्तिगत रूप से इन सवालों के जवाब दें। कांग्रेस द्वारा



जारी सवालों की लिस्ट में मुख्य रूप से यह पूछा गया है कि देशभर में एसआई कराने का निर्णय किसने लिया और फॉर्म 6 में बदलाव को किसने मंजूरी दी। इसके अलावा भी कई सारे सवाल हैं।

बदरीनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद, पुष्प श्रृंगार के हुए दर्शन

रूद्रप्रयाग। बदरीनाथ धाम के कपाट (सोमवार) रात 9 बजकर 37 मिनट पर कर्क लग्न में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके साथ ही इसके साथ ही इस वर्ष चारधाम यात्रा संपन्न हो गई है। कपाट बंद होने के अंतिम दिन 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान बदरीविशाल के दर्शन किए। इस अवसर पर पूरा धाम सेना के बैंड की मधुर धुनों और जय बदरीविशाल के उद्घोष से गूंज उठा। कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था।

सोमवार सुबह से ही कपाट बंद होने की धार्मिक प्रक्रिया और तैयारियां शुरू हो गई थीं। ब्रह्ममुहूर्त में मंदिर के कपाट खोले गए। इसके बाद भगवान बदरीनाथ का अभिषेक, विशेष पूजा और श्रृंगार किया गया। दिनभर मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुला रहा। बीते रविवार को हुई बारिश और बर्फबारी के चलते धाम में कड़ाके की ठंड रही, लेकिन इसके बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बना



रहा। रावल ने शिला मूर्ति को घृत कंबल ओढ़ाया

शाम आठ बजे से कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू हुई। बदरीनाथ के रावल (मुख्य पुजारी) अमरनाथ नंबूदरी ने परंपरा के अनुसार स्त्री वेश धारण कर लक्ष्मी मंदिर से माता लक्ष्मी की मूर्ति को लाकर भगवान बदरीनाथ के गर्भगृह में विराजमान किया। इसके बाद बदरीश पंचायत में विराजमान कुबेर और उद्धव की उत्सव प्रतिमाओं को मंदिर परिसर में लाया गया। रावल ने भगवान बदरीनाथ की निर्वाण शिला मूर्ति को परंपरानुसार घृत कंबल ओढ़ाया। धर्माधिकारी आचार्य स्वयंबर सेमवाल और वेदपाठियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद रात्रि ठीक 9 बजकर 37 मिनट पर मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए।

पुष्प श्रृंगार के हुए दर्शन

आज बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के दिन श्रद्धालुओं को भगवान बदरीविशाल के पुष्प श्रृंगार के दर्शन हुए। इस दिन भगवान नारायण का स्वर्ण श्रृंगार की जगह फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया।

भारत को बांटने की कोशिशें जारी, एकजुट रहें

मोहन भागवत बोले-अलगाववाद को बढ़ावा देकर रची जा रही है साजिश

जयपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और छोटी पहचानों को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया। भागवत रविवार को जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर मरु निनाद 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने आरोप लगाया कि भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने और संघर्ष पैदा करने की कोशिशें हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो।

अतीत के आक्रमण और शिक्षा- भागवत ने वर्तमान स्थिति को नाजुक बताया और लोगों से एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत का अर्थ पूरे विश्व का कल्याण होगा। उन्होंने अतीत के विदेशी आक्रमणों का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि भारतीयों ने हमेशा बाहरी हमलों का विरोध करने के लिए एकजुटता दिखाई है। आक्रमणकारियों ने हमारे सिस्टम को नष्ट कर अपनी शिक्षा प्रणाली थोप दी। इसके परिणामस्वरूप, जो लोग कभी समृद्ध थे, वे गरीब हो गए।

संगीत परंपरा और लत पर चेतावनी

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। भागवत ने आरएसएस की संगीत परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संगीत मनोरंजन के साथ-साथ साहस और आत्म-सम्मान को प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है। संगठन के संगीतकार पेशेवर नहीं हैं, बल्कि उनके प्रदर्शन भारतीय मूल्यों, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जनजातीय संस्कृति और विरासत का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता-सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, रीति-रिवाजों और गौरवशाली विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। जनजातीय समाज का विकास केवल आर्थिक और सामाजिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक विरासत को सुरक्षित रखना भी जरूरी है। सरकार का संकल्प है कि जनजातीय समाज का प्रत्येक परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े, हर युवा आत्मनिर्भर बने और प्रत्येक बेटी शिक्षित एवं सशक्त हो।

मुख्यमंत्री सोमवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में



राज्य जनजातीय शोध संस्थान (टीआरआई), उत्तराखंड की ओर से आयोजित ह्यआदि गौरव महोत्सव उत्तराखंड-2026ह्ल में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए प्रदेशवासियों, विशेषकर जनजातीय समाज के लोगों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आदिवासी संस्कृति एवं हस्तकला पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने जनजातीय समाज की पारंपरिक हस्तशिल्प कला, स्थानीय उत्पादों और कलात्मक कौशल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और देश की विविधतापूर्ण परंपराओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि गौरव महोत्सव जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को जानने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत की सांस्कृतिक विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

यूपी में ब्रेड से लेकर केक पेस्ट्री तक की होगी जांच

केमिकल और प्रतिबंधित रंगों के इस्तेमाल पर होगी कार्रवाई

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ब्रेड, बिस्कुट, केक, पेस्ट्री, कुकीज, चॉकलेट और कैंडी बनाने व बेचने वाले कारोबारियों को अब खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। घटिया कच्चा माल, प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल, अस्वच्छ तरीके से बनाए गए



उत्पादों को लेकर भ्रामक दावे करने पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बेकरी और कन्फेक्शनरी कारोबार के लिए स्टोरेज, उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत निर्माण इकाइयों के साथ कैफे और दुकानों के काउंटर भी जांच के दायरे में रहेंगे।

यूपी में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

राहुल गांधी बोले-हमें सबको साथ लेकर चलना होगा प्रियंका गांधी की अगुआई में पांच सदस्यीय टीम बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी



लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसीडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर बड़ा दावा किया है।

आराधना मिश्रा बोलीं-सीट शेयरिंग पर अभी फैसला नहीं हुआ

बैठक से पहले कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 17 नवंबर को सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा चल रही है और प्रदेश के नेताओं से सुझाव मांगे गए हैं। बैठक के बाद सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

संपादकीय

कांग्रेस के सामने संगठनात्मक चुनौती

उत्तराखंड की राजनीति में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठी कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती सत्तारूढ़ भाजपा नही, बल्कि अपने ही संगठन के भीतर दिखाई दे रहे मतभेदों और नेतृत्व के बीच तालमेल की कमी को दूर करना है। सवाल यह है कि जिस पार्टी को प्रदेश में एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए, वह स्वयं अपने संगठनात्मक समीकरणों को दुरुस्त करने में कितनी सफल हो पाती है? उत्तराखंड कांग्रेस में असंतोष कोई नया विषय नही है। राज्य गठन के बाद से ही पार्टी के भीतर अलग–अलग नेताओं के प्रभाव, नेतृत्व की दावेदारी और राजनीतिक वर्चस्व को लेकर समय–समय पर मतभेद सामने आते रहे हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले जिस तरह वरिष्ठ नेताओं के बीच सार्वजनिक बयानबाजी और अलग–अलग राजनीतिक गतिविधियां चर्चा में हैं, उसने संगठन की एकजुटता को लेकर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, हरक सिंह रावत और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य जैसे अनुभवी नेताओं की अपनी–अपनी राजनीतिक पहचान और समर्थक आधार है। इन नेताओं की सामूहिक ताकत कांग्रेस के लिए राजनीतिक पूंजी बन सकती है, लेकिन यदि यही ताकत आपसी प्रतिस्पर्धा और असहमति का कारण बनती है तो संगठन के सामने मुश्किलें खड़ी होना स्वाभाविक है। हाल के दिनों में हरीश रावत की जनसंवाद यात्रा, पार्टी नेतृत्व की ओर से सामूहिक कार्यक्रमों पर जोर और चुनावी तैयारियों को लेकर हुई बैठकों में उनकी अनुपस्थिति ने इन चर्चाओं को और हवा दी है। 2 नवंबर की केंद्रीय नेतृत्व की समीक्षा बैठक में उनकी अनुपस्थिति भी राजनीतिक चर्चा का विषय बनी। हालांकि, हरीश रावत ने मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से स्वयं को अलग बताते हुए पार्टी का लक्ष्य 70 में से कम से कम 45 सीटें जीतना बताया है। कांग्रेस के सामने एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि वह प्रदेश की जनता के बीच किन मुद्दों को लेकर जाएगी? उत्तराखंड में बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, पहाड़ों में शिक्षा और सड़क जैसी बुनियादी समस्याएं लंबे समय से राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। इन मुद्दों पर कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। लेकिन केवल आरोप–प्रत्यारोप से राजनीतिक विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता। जनता यह भी देखना चाहती है कि विपक्ष के पास इन समस्याओं के समाधान की कोई स्पष्ट नीति और कार्ययोजना है या नहीं। पहाड़ों में पलायन, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क और जंगली जानवरों का आतंक जैसे विषय जनता की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। वही मैदानी क्षेत्रों में शहरी विकास, कानून व्यवस्था, महंगाई, औद्योगिक रोजगार और स्थानीय नागरिक सुविधाएं महत्वपूर्ण मुद्दे हैं।

कांग्रेस को इन सभी क्षेत्रों के लिए अलग–अलग स्थानीय नेतृत्व और मुद्दों पर आधारित रणनीति तैयार करनी होगी। केवल बड़े नेताओं की सभाओं और केंद्रीय नेतृत्व के दौरों से संगठन की जमीनी मजबूती का आकलन नहीं किया जा सकता। कांग्रेस हाईकमान के सामने भी उत्तराखंड संगठन को लेकर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा, आपसी संवाद और सामूहिक निर्णय की व्यवस्था बनाना आवश्यक है।प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में संगठन को आगे बढ़ाने के साथ ही वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और उनके समर्थक आधार को भी उचित स्थान देना होगा। किसी एक नेता को आगे बढ़ाने और दूसरे को राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक महसूस कराने की स्थिति संगठनात्मक असंतोष को और बढ़ा सकती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि उसके अपने संगठन में कितना अनुशासन, पारदर्शिता और सामूहिक नेतृत्व दिखाई देता है। सभी वरिष्ठ नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर एक साझा राजनीतिक कार्यक्रम के तहत काम करते हैं, स्थानीय कार्यकर्ताओं को सम्मान देते हैं और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता बनाते हैं तो संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने का अवसर मिल सकता है।

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत



कांतिलाल मांडोत

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है। दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता



कुमार कृष्णन

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (स्थिर) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से



दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

खेतों से लेकर रास्तों तक वन्यजीवों का खौफ, ग्रामीणों का फूटा आक्रोश


कोटद्वार तहसील परिसर में धरने देते ग्रामीण


भालू को कैद करने के लिए चरेख गांव में लगाया गया पिंजरा

गुलदार-भालू के खौफ में जी रहे ग्रामीण, तहसील में किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुलदार व भालू के खौफ में जी रहे ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। दो दिन पूर्व भालू के हमले में चरेख गांव की महिला की मौत के बाद सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में तहसील पहुंचे ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर मृतक महिला के स्वजन को एक करोड़ रुपये मुआवजा और उसके पुत्र को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई।

ग्राम प्रधान लीला देवी और उप प्रधान भक्तदर्शन सिंह के नेतृत्व में तहसील परिसर पहुंचे ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान उत्तराखंड क्रांति दल और स्वाभिमान मोर्चा के कार्यकर्ता भी ग्रामीणों के समर्थन में पहुंचे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार और भालू की सक्रियता बनी हुई है, लेकिन वन विभाग और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना था कि घटना के बाद भी प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार की सुध नहीं ली। ग्रामीणों ने भालू को आदमखोर घोषित कर उसे मारने की अनुमति देने की मांग की। साथ ही आबादी क्षेत्र में पिंजरा लगाने, वन विभाग की गश्त बढ़ाने और ग्रामीणों को सुरक्षा के लिए गांधी बंदूक व पटाखे उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के आतंक के कारण ग्रामीणों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इस मौके पर लोक दर्शन सिंह नेगी, कैलाश नेगी, विक्रम सिंह, जगदीश सिंह, सुमित नेगी, आशा देवी और हेमवंती देवी, मीना देवी आदि मौजूद रहे। उत्तराखंड क्रांति दल ने भी मृतक महिला के परिवार को उचित मुआवजा देने और उसके पुत्र को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

अंजना चलाती थी परिवार की आर्थिकी

भालू के हमले में जान गंवाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अंजना नेगी के परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी तहसील परिसर में धरना दिया। संगठन की अध्यक्ष बसंती रावत ने कहा कि अंजना आंगनबाड़ी में कार्यरत थीं और परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा थीं। उनकी मौत के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने प्रदेश सरकार से मृतका के पुत्र को सरकारी नौकरी देने और परिवार को उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। इस मौके पर आशा कुकरेती, जयश्री मेहरा, अनीता देवी, भारती देवी, मंजू देवी, सावित्री देवी, विनीता देवी आदि मौजूद रहीं।

22 नवंबर से शुरू होगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान

पांच वर्ष तक के बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय की ओर से 22 नवंबर से राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा।

अभियान 28 नवंबर तक संचालित होगा। इसके तहत पहले दिन विभिन्न स्थानों पर बूथ लगाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, जबकि इसके बाद स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगे।

बेस चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. विजय सिंह ने बताया कि अभियान की तैयारियों को लेकर 18 नवंबर को उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की जाएगी। वहीं, 21 नवंबर को बूथ कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी दिन शहर में अभियान को लेकर प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 नवंबर को शहर के विभिन्न स्थानों पर टीकाकरण बूथ बनाए जाएंगे। यहां शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद 23 से 28 नवंबर तक बूथ कर्मी घर-घर जाकर अभियान चलाएंगे और बूथ पर दवा पीने से छूट गए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना सुनिश्चित करेंगे। प्रमुख अधीक्षक ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें।

स्वास्थ्य कर्मियों को दिया शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं मृत्यु दर में कमी लाने का प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग ने जनपद में नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और बेहतर देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर नवजात शिशु सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। सप्ताह के तहत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मेघना असवाल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला चिकित्सालय पौड़ी में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु प्रभावी चिकित्सकीय प्रबंधन को लेकर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।


प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों को जानकारी देते हुए चिकित्सक।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हितेन जंगपानी द्वारा उपस्थित चिकित्सा कर्मियों को नवजात शिशुओं की गुणवत्तापूर्ण देखभाल,जन्म के तुरंत बाद आवश्यक देखभाल, कंगारू मदर केयर, टीकाकरण, संक्रमण से बचाव तथा नवजात शिशुओं में खतरे के लक्षणों की समय पर पहचान आदि को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मेघना असवाल ने संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने, स्तनपान के तरीके एवं उसके महत्व, नवजात शिशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने, उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं की समयबद्ध पहचान एवं उचित रेफरल व्यवस्था, नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, नवजात अवस्था में होने वाली स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, उनकी समय पर पहचान एवं प्रबंधन तथा आवश्यक चिकित्सकीय सावधानियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस मौके पर सीएमएस जिला चिकित्सालय डॉ. एल.डी. सेमवाल, डॉ. अलीशा सचदेवा, डॉ. राजनंदिनी सहित अन्य चिकित्सा कर्मी मौजूद रहे।

झंडीचौड़ में 24.50 लाख से बनें एबीसी सेंटर का हुआ शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिए नगर निगम ने भाबर के झंडीचौड़ उत्तरी में अस्थायी पशु जन्म नियंत्रण केंद्र (एबीसी सेंटर) शुरू कर दिया है। 24.50 लाख रुपये की लागत से तैयार इस केंद्र में आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। हालांकि, केंद्र में कुत्तों को अलग-अलग रखने के लिए केज की व्यवस्था नहीं होने से इसकी तैयारियों पर सवाल भी उठने लगे हैं।

सोमवार को महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने नवनिर्मित केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह केंद्र स्थापित किया गया है। यहां निर्धारित मानकों के अनुरूप आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। इससे कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के साथ ही नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। एबीसी सेंटर में आवारा कुत्तों को अलग-अलग रखने के लिए केज की व्यवस्था नहीं की गई है। सोमवार को उद्घाटन के दौरान पशु चिकित्साधिकारी डॉ. वीके गुप्ता ने इस पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि


आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

कुत्तों को एक ही कमरे में रखने से उनके आक्रामक होने की आशंका बनी रहेगी। ऐसे में केंद्र में अलग-अलग केज की व्यवस्था होना जरूरी है। इस पर नगर निगम अधिकारियों ने जल्द ही कक्षों में केज लगाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर नगर आयुक्त पीएल शाह, सहायक आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. चारू गुप्ता, सफाई निरीक्षक सुनील चौधरी, सहायक सफाई निरीक्षक सौरभ चौहान, पशु प्रेमी सुषमा जखमोला, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, पार्षद रजनीश बेबनी, विवेक शाह, मनीष नैथानी, सुखपाल शाह, भीम सिंह नेगी, राजेंद्र सिंह बिष्ट और जेपी बहुखंडी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आशुलिपिक भर्ती स्थगित होने पर पूर्व सैनिकों में आक्रोश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आशुलिपिक भर्ती प्रक्रिया स्थगित किए जाने पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने नाराजगी जताई है। परिषद का कहना है कि भर्ती की तैयारी में पिछले तीन-चार वर्षों से जुटे युवाओं को अचानक प्रक्रिया स्थगित होने से निराशा का सामना करना पड़ रहा है। परिषद ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू कराने की मांग की है। अपर कालाबड़ में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिकों ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को अचानक स्थगित करना उन युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है, जो लंबे समय से इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे निर्णय से अभ्यर्थियों की मेहनत और समय दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र बहाल करने की मांग की। बैठक में बताया गया कि इस मुद्दे को लेकर रामकंडवाल के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने की बात कही। इस मौके पर बलवान सिंह रावत, अनूप बिष्ट, संजय असवाल, वीरेंद्र रावत, दलबीर सिंह और गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल आदि मौजूद रहे।

बिना विलंब शुल्क के 23 नवंबर तक भरे परीक्षा फॉर्म

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर 2026 की परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार छात्र अब 23 नवंबर तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। इसके बाद 30 नवंबर तक 1500 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म जमा करने का अवसर मिलेगा। विवि के अनुसार यह व्यवस्था तृतीय सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा और अन्य सभी विषम सेमेस्टर की मुख्य एवं बैकलॉग परीक्षाओं के लिए लागू होगी। तृतीय सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के फॉर्म विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल तथा अन्य विषम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म पर भरे जाएंगे। विवि के परीक्षा नियंत्रक डा. गौतमवीर ने छात्रों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर परीक्षा फॉर्म भरने की सलाह दी है। परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग के लिए छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु भंडारी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं की ओर से भी सोमवार को परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन दिया गया था। (एजेंसी)

इच्छा शक्ति जाग्रत करने से होंगे युवा संस्कार युक्त व नशामुक्त : नेगी

भाषण प्रतियोगिता में अक्षिता ध्यानी प्रथम, रूद्रप्रताप सिंह द्वितीय एवं अंशिका रही तृतीय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवाओं को संस्कारवान बनाने तथा नशामुक्त रखने के लिए युवाओं में इच्छा शक्ति जाग्रत करने की आवश्यकता है। यह बात पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेन्द्र सिंह नेगी ने टूरिस्ट संदेश फॉउण्डेशन द्वारा कण्वनगरी संस्कारशाला के तहत आयोजित विकासखण्ड स्तरीय एक अन्तर माध्यमिक विद्यालय भाषण प्रतियोगिता में कही। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

स्व. सत्य प्रकाश थपलियाल की स्मृति में ह्रासमृद्ध राष्ट्र के लिए संस्कार युक्त नशामुक्त युवाह्व विषय पर आयोजित इस भाषण प्रतियोगिता में ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल की छात्रा अक्षिता ध्यानी प्रथम, हेड हैरिटेज पब्लिक



आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

स्कूल के छात्र रूद्रप्रताप सिंह द्वितीय एवं एमकेवीएन स्कूल की छात्रा अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एमकेवीएन स्कूल के संस्थापक प्रकाश कोठारी की अध्यक्षता में आयोजित इस भाषण प्रतियोगिता में राजकीय इण्टर कॉलेज कोटद्वार के प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने कहा कि संस्कारों की शुरुआत घर से होती है। कण्वनगरी संस्कारशाला द्वारा आयोजित प्रथम संस्करण की विजेता कण्वघाटी महाविद्यालय की छात्रा कुमकुम भारद्वाज ने प्रतिभागियों को नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए जीवन में संस्कार धारण करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एसपी जोशी, एसएसआई कोटद्वार, समाज कल्याण विभाग, पौड़ी के सहायक अधिकारी संजीव पाल ने भी विचार व्यक्त किए। भाषण प्रतियोगिता में वन्दना भारद्वाज, डॉ. मंजू कपरवाण तथा शंकर दत्त गौड़ ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जीवन में संस्कार युक्त नशामुक्त रहने की प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र उनियाल, सुभाष चन्द्र नौटियाल, कमल बिष्ट, सूरज कुकरेती, कै. पी.एल. खंतवाल, राजेन्द्र पंत, एस.पी. कुकरेती, चित्रमणी देवलियाल, जेपी ध्यानी, गिरीराज सिंह रावत, सुरेन्द्र लाल आर्य, डॉ. रमाकांत कुकरेती, सुदर्शन सिंह बिष्ट, अनुसुया प्रसाद डंगवाल, सत्य नारायण नौटियाल, रिपुदमन सिंह बिष्ट, विकास आर्य आदि मौजूद थे। मंच संचालन अजयपाल सिंह रावत ने किया।

कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने राज्यपाल से की मुलाकात

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन से भेंट की। इस अवसर पर दोनों के बीच प्रदेश में उच्च शिक्षा के विकास, विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक भूमिका तथा उत्तराखंड की भौगोलिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप उच्च शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, नियुक्ति एवं प्रोन्नति प्रो. मोहन सिंह पंवार भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने विश्वविद्यालय की अकादमिक उपलब्धियों, शिक्षण एवं शोध गतिविधियों, नवाचार, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप किए जा रहे प्रयासों से राज्यपाल को अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों तथा क्षेत्रीय विकास में विश्वविद्यालय की भूमिका को भी रेखांकित किया। (एजेंसी)

कार्यशाला में पर्यटन को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

श्रीनगर गढ़वाल : पौड़ी जिले में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग में 'पौड़ी एक पहल' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

उत्तरा एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यशाला में पर्यटन एवं होटल व्यवसायियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में जिले के प्राकृतिक संसाधनों, स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक विरासत के जरिये पर्यटन को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।

वक्ताओं ने कहा कि स्थानीय युवाओं की भागीदारी से पर्यटन कारोबार को विस्तार देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए जा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौरास परिसर के डीन प्रो. आरके ढोडी और प्रो. रश्मि ढोडी ने की।

इस दौरान उत्तरा एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशांत मैठाणी, सचिव देव पोखरियाल और गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निशांत प्रताप कंडारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने बताया कि एसोसिएशन की ओर से पौड़ी और श्रीनगर के विभिन्न क्षेत्रों में तीन दिवसीय कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य पर्यटन कारोबारियों, युवाओं और शिक्षण संस्थानों को एक मंच पर लाकर पौड़ी को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। (एजेंसी)

छठवें दिन भी जारी रही आशा कार्यकर्ताओं की हड़ताल

42 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन सहित विभिन्न मांगों को लेकर तहसील परिसर में दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मानदेय में बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की हड़ताल सोमवार को छठवें दिन भी जारी रही। आशा कार्यकर्ताओं ने मानदेय वृद्धि का शासनादेश जारी नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल के छठवें दिन ब्लाक अध्यक्ष प्रभा चौधरी के नेतृत्व में आशा कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुईं। यहां उन्होंने शासन–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपनी मांगों को उठाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान में उन्हें बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है। इससे परिवार का भरण–पोषण करने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से


कोटद्वार तहसील परिसर में मांगों को लेकर धरना देती आशा कार्यकर्ता।

मानदेय बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था। इसके लिए हाईपावर कमेटी का गठन भी किया गया, लेकिन अभी तक न तो मानदेय वृद्धि का शासनादेश जारी हुआ और न ही इस संबंध में कोई वार्ता की गई। इससे आशा कार्यकर्ताओं में नाराजगी है और वे खुद को उपेक्षित महसूस कर रही हैं। आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार से 42 हजार रुपये प्रतिमाह न्यूनतम वेतन देने, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का लाभ देने, सेवानिवृत्ति पर पेंशन की व्यवस्था करने और अन्य राज्यों की तर्ज पर सेवानिवृत्ति पर पांच लाख रुपये की एकमुश्त धनराशि देने की मांग की। इसके अलावा 46वें श्रम सम्मेलन की सिफारिशें लागू करने, आशा कार्यकर्ताओं को कर्मकार घोषित करने तथा मानदेय और प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) का भुगतान पूर्व की भांति स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से करने की मांग उठाई। इस मौके पर कल्पना काला, दीपा गुसाईं, आशा ढौंडियाल, रोशनी, संगीता रावत, कुसुम रावत, सरोज देवी, कलावती और हेमलता आदि मौजूद रहीं।

पूर्व सीएम ने किया शरदोत्सव का शुभारंभ, विद्यालयों की झांकियों और मार्च पास्ट ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नगर पालिका परिषद पौड़ी की ओर से आयोजित शरदोत्सव का सोमवार को विधिवत शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने आर्कषक झांकियां प्रस्तुत करने के साथ मार्च पास्ट निकाला। मुख्य अतिथि ने मार्च पास्ट की सलामी ली। वहीं शरदोत्सव के तहत आयोजित वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। पहले मैच में वार्ड संख्या-8 की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वार्ड संख्या-7 को 5-0 से पराजित किया। उद्घाटन अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि शरदोत्सव जैसे



आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला, संस्कृति और हुनर प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय स्तर पर उभरने वाली प्रतिभाओं को आगे चलकर बड़े मंचों पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने और उन्हें बाजार उपलब्ध कराने पर प्रधानमंत्री का विशेष जोर रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं तथा स्थानीय उत्पादों का दायरा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की। कहा कि युवा पीढ़ी देश और समाज का भविष्य है। युवाओं को अपनी ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक कार्यों और बेहतर भविष्य के निर्माण में करना चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, नगर पालिका अध्यक्षा हिमानी नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केसर सिंह नेगी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जसपाल नेगी, ईओ नगर पालिका संजय कुमार सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु0)	बिड सिक्यूरिटी
1.	41/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– कुम्भ क्षेत्र में अस्थायी आवास, टेंटेज, होल्डिंग एरिया एवं अन्य स्थानों (RKSH, RWL एवं MOTC क्षेत्र) में विद्युत वायरिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य संबंधित मदों का प्रावधान।	10359708.72 (जीएसटी सहित)	207200.00
2.	42/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– हरिद्वार क्षेत्र के कुम्भ क्षेत्र में अस्थायी आवास, टेंटेज, होल्डिंग एरिया एवं अन्य स्थानों पर विद्युत वायरिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य संबंधित मदों का प्रावधान।	9161011.16 (जीएसटी सहित)	183200.00
3	43/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– JWP से RK क्षेत्र तक कुम्भ क्षेत्र में अस्थायी आवास, टेंटेज, होल्डिंग एरिया एवं अन्य स्थानों पर विद्युत वायरिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य संबंधित मदों का प्रावधान।	10841087.54 (जीएसटी सहित)	216800.00

कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	3 (तीन) माह	निविदाएँ दिनांक 07.12.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/मुरादाबाद।

निविदा सूचना सं0: 37/2026 दिनांक: 14.11.2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3989/26

सनसनी से बचें, तथ्यों पर आधारित हो जिम्मेदार पत्रकारिता

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर 'सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर गोष्ठी आयोजित



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य में 'सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान पत्रकारों ने वर्तमान दौर में पत्रकारिता की चुनौतियों, खबरों की प्रस्तुति और पत्रकारों की सामाजिक जिम्मेदारियों पर विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता में तथ्यों की प्रमाणिकता, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल बहुगुणा ने प्रेस की स्वतंत्रता और वर्तमान पत्रकारिता के स्वरूप पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज खबरों को सनसनीखेज बनाने के लिए कई बार भ्रामक और अलग तरह की हेडिंग लगाई जा रही हैं। खबर की वास्तविकता और गंभीरता के अनुरूप ही शीर्षक होना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार त्रिभुवन उनियाल ने कहा कि पत्रकारिता में निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है। पत्रकारों को किसी भी खबर को प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करनी चाहिए और अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए समाचारों का प्रकाशन करना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकार कुलदीप बिष्ट ने कहा कि पत्रकारिता के साथ-साथ पत्रकारों का आमजन के बीच खड़ा होना और उनकी समस्याओं को समझना भी जरूरी है। पत्रकारिता को केवल समाचारों तक सीमित न रखकर सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ना चाहिए। जिला सूचना अधिकारी योगेश पोखरियाल ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारिता के मूल्यों, स्वतंत्रता और जिम्मेदारियों पर विचार करने का महत्वपूर्ण अवसर है। वर्तमान समय में सूचनाओं का प्रसार तेजी से हो रहा है। ऐसे में पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसकी तथ्यात्मक पुष्टि अवश्य करें।

खबरों को सनसनीखेज बनाने के बजाय उनकी वास्तविकता और जनहित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता से ही मीडिया के प्रति आमजन का विश्वास कायम रह सकता है। पत्रकार समाज की समस्याओं को सामने लाने के साथ ही विकास कार्यों और जनहित से जुड़े विषयों को भी प्रमुखता दें। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अजय रावत, डॉ. बीपी बलोदी, मनोहर बिष्ट, जगमोहन डांगी, जसपाल नेगी, मुकेश आर्या, सिद्धांत उनियाल, प्रदीप नेगी, गणेश नेगी, मुकेश बछेती, पंकज रावत, दीपक बड़थ्वाल, करन नेगी, महेंद्र नेगी, अंकित उनियाल, गब्बर भंडारी, भगवान सिंह, विजय बहुगुणा, दीपक नौडियाल, जगत किशोर बड़थ्वाल, विजेंद्र नेगी, प्रदीप बंसल,रूपेण कंडारी सहित अन्य उपस्थित थे।

दोपहिया वाहन में पीछे बैठने वाले का हेलमेट पहनना जरूरी



उत्तरकाशी। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों के साथ पीछे बैठकर सफर करने वाले यात्रियों को भी हेलमेट पहनने के लिए जागरूक किया। पुलिस ने कहा कि सुरक्षित सफर के लिए चालक और पीछे बैठने वाले दोनों का हेलमेट पहनना जरूरी है।

यातायात निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में चलाए गए अभियान के दौरान वाहन चालकों, स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने लोगों को यातायात संकेतों, ट्रैफिक सिग्नल और सुरक्षित वाहन संचालन के बारे में जागरूक किया। साथ ही पंपलेट वितरित कर यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

इस दौरान यातायात निरीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि हेलमेट पहनना महज चालान से बचने का उपाय नहीं। बल्कि जीवन की सुरक्षा का महत्वपूर्ण साधन है। सड़क दुर्घटना के दौरान हेलमेट सिर और मस्तिष्क में गंभीर चोट लगने के खतरे को काफी हद तक कम करता है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनने की आदत अपनानी चाहिए।

भालू के हमले में महिला घायल, हायर सेंटर रेफर



उत्तरकाशी। विकासखंड डुंडा के ठांडी गांव में छानी से घर लौट रही एक महिला पर भालू ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए देहरादून रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार ठांडी गांव निवासी मकानी देवी देर शाम अपनी छानी से घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। महिला की चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें भालू के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद ग्रामीणों ने घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने महिलाओं की हालत गंभीर देखकर देहरादून रेफर कर दिया। वहीं, मुखेम रेंज के अधिकारी गोविंद पंवार ने बताया कि घटना के बाद क्षेत्र में वन विभाग की गश्त बढ़ा दी गई है। उन्होंने ग्रामीणों से जंगल और छानियों में अकेले जाने के बजाय समूह में आवाजाही करने की अपील की है। साथ ही सतर्कता बरतने और आसपास भालू दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने को कहा है।

बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने लिया शंकराचार्य का आशीर्वाद

बदरीनाथ। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने टैक्सी स्टैंड स्थित शंकराचार्य मठ पहुंचकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने शंकराचार्य को इस वर्ष संपन्न हुई चारधाम यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आचार्यों और संतों की कृपा से यात्रा का संचालन व्यवस्थित ढंग से हो सका। शंकराचार्य ने यात्रा के सफल संचालन पर प्रसन्नता जताई और बीकेटीसी अध्यक्ष को जन्मदिन पर शुभाशीष दिया। उन्होंने सरकार को भी सफल यात्रा संचालन के लिए शुभकामनाएं दी। यात्रा के दौरान हुई दो–तीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए शंकराचार्य ने मंदिर समिति को गंभीरता से समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अभी से ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। वहीं कपाट बंद होने और अपने जन्मदिन के अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने धाम में भंडारे का आयोजन किया।

खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया दमखम

श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन हुई विभिन्न स्पर्धाएं



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देवी रोड स्थित श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन नन्हे खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। बैलून रेस, पेयर रेस, फ्रॉग रेस, म्यूजिकल चेयर, बिस्कुट रेस, स्पून रेस और रिले रेस में बच्चों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुसूया वर्मा ने किया। प्री-प्राइमरी वर्ग की बालिका श्रेणी में श्रेया ने प्रथम, अस्मिता ने द्वितीय और तन्वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में प्रभव प्रथम, कैरव द्वितीय और अक्षय तृतीय रहे। बालिकाओं की पेयर रेस में अवंतिका और तन्वी की जोड़ी प्रथम, मानविका नेगी और अस्मिता की जोड़ी द्वितीय तथा प्रिशा और हदिया की जोड़ी तृतीय रही। बालक वर्ग में प्रभव और अक्षर सिंह की जोड़ी प्रथम, अथर्व और कैरव द्वितीय तथा मानविक अगरियाल और शिवांश तृतीय रहे। फ्रॉग रेस के बालिका वर्ग में शिवांशी प्रथम, कसवी द्वितीय और खुशी तृतीय रहीं। बालक वर्ग में कियांश प्रथम, कार्तिक द्वितीय और वैभव तृतीय रहे। म्यूजिकल चेयर में रुद्रांश ने प्रथम, नव्या ने द्वितीय और आरव नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राइमरी वर्ग की बालिका श्रेणी की बिस्कुट रेस में आयुषी जुयाल प्रथम, प्रज्ञा द्वितीय और अवनी तृतीय रहीं। बालक वर्ग में रौनक प्रथम, उत्कर्ष द्वितीय तथा रुद्राक्ष और अयांश संयुक्त रूप से तृतीय रहे। स्पून रेस के बालिका वर्ग में हिमाक्षी प्रथम, माही द्वितीय और काव्या तृतीय रहीं। बालक वर्ग में उत्कर्ष प्रथम, वैदिक द्वितीय और अयांश तृतीय रहे। ऑब्स्टेकल रेस के बालिका वर्ग में आव्या प्रथम, स्नेहा द्वितीय और कीर्तिका तृतीय रहीं। बालक वर्ग में शौर्य प्रथम, भावेश द्वितीय और आदित्य तृतीय रहे।

रिले रेस के बालिका वर्ग में रमन हाउस ने प्रथम, तिलक हाउस ने द्वितीय और सुभाष हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग में सुभाष हाउस प्रथम, तिलक हाउस द्वितीय और रमन हाउस तृतीय रहे। इस अवसर पर व्यायाम शिक्षक पूनम बहुखंडी, संतोष पंत और बृजेंद्र सिंह नेगी मौजूद रहे।

एक नजर

एक माह में शुरू होगी अल्ट्रासाउंड सुविधा

थराली। चमोली जिले के सीएचसी थराली में सात दिनों से चल रहा आंदोलन सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के आश्वासन के बाद स्थगित हो गया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने एक माह में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू करने और विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित चिकित्सा व सुरक्षा कर्मचारियों की तैनाती का भरोसा दिया है।चमोली जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली में अल्ट्रासाउंड सुविधा, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता और पर्याप्त चिकित्सा एवं सुरक्षा कर्मचारियों की तैनाती की मांग के लिए ग्रामीण आंदोलन कर रहे थे। सोमवार को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्ण धरनास्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों से वार्ता की। विभाग ने एक माह में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू करने का आश्वासन दिया। साथ ही सप्ताह में दो दिन बुधवार और बृहस्पतिवार को सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ तथा निश्चेतक की सेवाएं उपलब्ध कराने के आदेश दिए। सीएचसी थराली में एक चिकित्सा अधिकारी, दो स्टाफ नर्स, एक एएनएम और तीन सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति के आदेश भी जारी हुए। आंदोलनकारियों ने कहा कि यह आंदोलन केवल आश्वासन पर स्थगित हुआ है। यदि निर्धारित एक माह में अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू नहीं होती और अन्य व्यवस्थाएं धरातल पर नहीं आतीं तो वे फिर आंदोलन तेज करेंगे। इस मौके पर कैलाश जोशी, सचिव पवन रावत, योगेश देवराड़ी, अभिषेक मिश्रा, हरीश चन्दोला, देवकांत देवराड़ी, मोहन राम आर्या, सन्दीप कुमार, योगी ठाकुर, मुकेश पुरोहित, मनवर सिंह, सावन बिष्ट, पूजा शर्मा, हेमलता गड़िया, कला देवी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव–गांव तक पहुंचाने का संकल्प

गोपेश्वर। राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत भाजपा की ओर से शक्ति केंद्र लस्यारी, दुर्मी और गौणा में बैठकें आयोजित की गईं। इनमें राज्य निर्माण के संघर्ष, औद्योगिक विकास और केंद्र एवं सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की गई। इस दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव–गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। मुख्य वक्ता भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह बिष्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद चारधाम ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना से प्रदेश के विकास को गति मिली है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लखपति दीदी, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास और गरीब कल्याण अन्न योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी गांव–गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम सिंह बर्त्वाल, डीसीबी के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह रावत, मंदीप सिंह फरस्वाण, गजेंद्र सिंह असवाल, पीपलकोटी मंडल अध्यक्ष दीपक पंत, जिला पंचायत सदस्य संतोषी, गुड्डू सिंह, भरत सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

भालू ने गोशाला तोड़कर बैल को मार डाला

पोखरी (चमोली)। चंद्रशिला पट्टी क्षेत्र में भालू के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। सलना गांव में रविवार रात भालू ने गोशाला तोड़कर बैल को मार डाला। एक के बाद एक हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है। ग्राम प्रधान हेमलता देवी ने बताया कि भालू ने मुकेश लाल सैलानी की गोशाला तोड़कर बैल को मार डाला। ग्राम प्रधान किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी और जौरासी की प्रधान मीनाक्षी देवी ने वन विभाग से भालू के निजात दिलाने की मांग की। केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग की नागनाथ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी कपिल गुसाईं ने बताया कि गांव में निरीक्षण के लिए विभागीय टीम भेजी गई है। रिपोर्ट के आधार पर उचित मुआवजा दिया जाएगा।

सामूहिक दुष्कर्म मामले के विरोध में एनएसयूआई ने फूंका एबीवीपी का पुतला



उत्तरकाशी। हल्द्वानी में 16 वर्षीय नाबालिग के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर सोमवार को उत्तरकाशी में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मुख्य गेट पर एकत्रित कार्यकर्ताओं ने एबीवीपी का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की।

हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र में सामने आए इस मामले में पुलिस ने एबीवीपी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पद प्रत्याशी धीरज बिष्ट समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि एबीवीपी छात्र हितों की बात करती है, लेकिन संगठन से जुड़े रहे छात्र नेता पर नाबालिग के साथ गंभीर अपराध का आरोप लगना चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि छात्र संगठनों की जिम्मेदारी छात्रों के हितों और सुरक्षा के लिए आवाज उठाना है। ऐसे मामलों से संगठनों की कथनी और करनी पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने एबीवीपी का पुतला दहन कर जोरदार नारेबाजी व प्रदर्शन किया और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग रखी। पुतला फूंकने व प्रदर्शन में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आदर्श राणा, मीडिया प्रभारी दीपक नेगी, अमन बिष्ट, कनकपाल रावत, अमन कठैत, शिवम नौटियाल, योगेश बिजल्वाण आदि कई छात्र शामिल रहे।

पंचायण गांव में हुआ भाजपा का शक्ति केंद्र सम्मेलन

उत्तरकाशी। भाजपा की ओर से राज्य स्थापना पखवाड़े के तहत रविवार को धनारी मंडल के शक्ति केंद्र भटवाड़ी के पंचायण गांव में शक्ति केंद्र सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता विजय बहादुर सिंह रावत ने कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों, मातृशक्ति और युवाओं के लंबे संघर्ष एवं बलिदान का परिणाम है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अलग राज्य का सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का आह्वान किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान रोशना देवी, मनमोहन सिंह राणा, रुक्मणी देवी, गंगा देवी, साहब सिंह, संतोष रावत आदि मौजूद रहे।

बदहाल पड़ी गुण्डियाट राजस्व पुलिस चौकी

पुरोला। विकासखंड के गुंदियाट गांव स्थित राजस्व पुलिस चौकी बदहाली का शिकार है। चौकी परिसर में जगह–जगह झाड़ियां उग आई है और भवन की स्थिति भी लंबे समय से उपेक्षा को दर्शा रही है। वहीं, चौकी में राजस्व विभाग के कर्मचारियों की नियमित मौजूदगी नहीं होने से आसपास के गांवों के ग्रामीणों को छोटे–बड़े राजस्व कार्यों के लिए करीब 14 से 15 किलोमीटर दूर तहसील मुख्यालय पुरोला की दौड़ लगानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि राजस्व चौकी स्थापित करने का उद्देश्य लोगों को उनके क्षेत्र में ही राजस्व संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना था लेकिन कर्मचारियों की अनुपलब्धता के चलते यह व्यवस्था अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रही है। नामांतरण, भूमि सीमांकन, भू–अभिलेखों में संशोधन और विभिन्न प्रमाणपत्रों से जुड़े कार्यों के लिए ग्रामीणों को पुरोला पहुंचना पड़ता है। इससे न केवल उनका समय और पैसा खर्च हो रहा है बल्कि खेती–किसानी और अन्य जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीण नितिन पंवार, तुषार नौटियाल, वीरेंद्र रावत सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से चौकी भवन की मरम्मत कराने और यहां नियमित रूप से राजस्व कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि चौकी का नियमित संचालन शुरू होने से आसपास के कई गांवों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही राजस्व सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

जंगलों की सुरक्षा को वन विभाग का लंबा पहरा

गौगांव (उत्तरकाशी)। अपर यमुना वन प्रभाग की मुगरसन्ती रेंज में वन संपदा के संरक्षण, वन्यजीवों की सुरक्षा और अवैध कटान पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वन विभाग ने लॉन्ग रेंज पेट्रोलिंग अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार को अभियान के तहत पहले गश्ती दल को मुगरसन्ती रेंज कार्यालय से रवाना किया गया। रेंज अधिकारी विवेक चौहान ने हरी झंडी दिखाकर टीम को वन क्षेत्र के लिए रवाना किया।

रेंज अधिकारी विवेक चौहान ने बताया कि लंबी दूरी की इस गश्त के दौरान वन कर्मी जंगलों का स्थलीय निरीक्षण कर वन संपदा की स्थिति का जायजा लेंगे। टीम विभिन्न प्रजातियों के वन्य पौधों, बहुमूल्य एवं विशाल वृक्षों तथा वन्यजीवों की मौजूदगी और उनके संरक्षण से संबंधित जानकारियां जुटाएगी। इसके साथ ही अवैध पातन, वन भूमि को नुकसान पहुंचाने और अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि गश्ती दल वन क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों का विस्तृत आकलन कर अपनी रिपोर्ट रेंज कार्यालय को सौंपेगा। इससे वन संपदा के संरक्षण और प्रबंधन के लिए प्रभावी कदम उठाने में मदद मिलेगी। अभियान का उद्देश्य केवल जंगलों की निगरानी तक सीमित नहीं है बल्कि वन क्षेत्र से लगे गांवों के ग्रामीणों को भी संरक्षण अभियान से जोड़ना है।

भगवान बदरीनाथ के घृत कंबल के लिए अर्पित किया 21 किलो घी

बदरीनाथ। शीतकाल के लिए बदरीनाथ की प्रतिमा पर ओढ़ाए जाने वाले घृत कंबल के लिए ज्योतिर्मठ की ओर से बदरी गाय का 21 किलोग्राम घी मंदिर समिति को सौंपा गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के अवलोकन के बाद वरिष्ठ ब्रह्मचारी सहजानंद ने बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रंगण को घी सौंपा।

गोभक्तों के सामूहिक प्रयास से तैयार यह घी पिछले चार वर्षों से ज्योतिर्मठ की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वामी प्रत्यक्षात्मन्यमुकुंदानंद गिरि महाराज ने बताया कि कपाट बंद होने से पूर्व भगवान बदरीविशाल के श्रीविग्रह को घी और कंबल ओढ़ाया जाएगा। माणा गांव की कुंवारी कन्याएं विशेष ऊन से कंबल तैयार करती हैं। यह परंपरा भगवान के विग्रह को शीतकाल में ठंड से सुरक्षित रखने के लिए निभाई जाती है।

सुलीढांग बाजार में देर रात दुकान में लगी आग



चिन्यालीसौड़। धरासू कोतवाली क्षेत्र के सुलीढांग बाजार में सोमवार तड़के एक दुकान में आग लगने से अंदर रखा सामान और सब्जियां जलकर राख हो गई।

सोमवार रात करीब 1:30 बजे सुलीढांग बाजार में हनुमान चौकी के पास स्थित दुकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और चिन्यालीसौड़ से पहुंची फायर सर्विस की टीम की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया लेकिन तब तक दुकान में रखा सामान और सब्जियां जल चुकी थी।

मकान मालिक चतर सिंह पुत्र रामा सिंह निवासी हनुमान चौक सुलीढांग ने पुलिस को बताया कि दुकान मोरियाणा निवासी अमित ने किराये पर ले रखी है। रविवार को सुलीढांग बाजार बंद होने के कारण दुकानदार अमित अपने गांव चला गया था। रात में दुकान के अंदर से धुआं निकलता दिखाई दिया तो उन्होंने पुलिस और फायर सर्विस को सूचना दी। थानाध्यक्ष धरासू दर्शन काला ने बताया कि दुकान में लगी आग पर पुलिस, फायर सर्विस और स्थानीय लोगों की मदद से काबू पा लिया गया है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने से दुकान में रखा सामान पूरी तरह जल गया है।

वरुणावत पर्वत पर गंदगी फैला रहे पर्यटक

उत्तरकाशी। वरुणावत पर्वत के शीर्ष और आसपास के जंगलों में बढ़ती गंदगी को लेकर संग्राली युवा मंगल दल ने नाराजगी जताई है। युवाओं का कहना है कि पर्वत पर घूमने आने वाले कुछ पर्यटक जगह–जगह कूड़ा फैलाकर चले जाते हैं। वहीं, कुछ असामाजिक तत्व जंगलों में शराब का सेवन कर बोतलें तोड़कर छोड़ रहे हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ स्थानीय लोगों के लिए भी परेशानी खड़ी हो रही है। युवा मंगल दल के अध्यक्ष देवेश नौटियाल, प्रवेश भट्ट और देवेश नैथानी ने बताया कि वरुणावत पर्वत पर पर्यटकों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। लोग यहां प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने और धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए पहुंचते हैं लेकिन कई लोग स्वच्छता का ध्यान नहीं रखते। जंगलों में बिखरे कांच के टुकड़ों से घास और चारापत्ती लेने जाने वाली



महिलाओं के चोटिल होने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि युवा मंगल दल की ओर से कई बार सफाई अभियान चलाकर पर्वत को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया गया लेकिन कुछ समय बाद फिर से गंदगी फैल जाती है। इस समस्या से जिला प्रशासन और वन विभाग को भी कई बार अवगत कराया गया। अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। युवाओं ने पर्वत पर नियमित निगरानी रखने, कूड़ा फैलाने वालों और जंगलों में शराब पीकर बोतलें तोड़ने वालों के खिलाफ चालान व जुर्माने की कार्रवाई करने की मांग की है।

धौंतरी से सिल्याण तक कीवी से संवर रही किसानों की आर्थिकी

उत्तरकाशी। जिले में कीवी की खेती किसानों की आजीविका का नया सहारा बन रही है। डुंडा ब्लॉक की गाजणा पट्टी के धौंतरी, ठांडी और कामद से लेकर जिला मुख्यालय के नजदीकी सिल्याण गांव तक किसान कीवी के बाग तैयार कर रहे हैं। उद्यान विभाग के अनुसार जिले में करीब 100 किसान 35 हेक्टेयर भूमि पर कीवी उगा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में क्षेत्र में उत्पादन करीब 100 मीट्रिक टन से अधिक पहुंचने का अनुमान है।

धौंतरी क्षेत्र में किसान हेवर्ड और एलिसन प्रजाति की कीवी उगा रहे हैं। धौंतरी के किसान अमित बहुगुणा ने बताया कि वह 2016–17 से इसकी खेती कर रहे हैं। पिछले पांच–छह वर्षों से उन्हें हर साल करीब 12 क्विंटल हेवर्ड की पैदावार मिल रही है। इस तरह सालान ढाई से तीन लाख रूपये कीवी से कमा रहे हैं। वहीं जिला मुख्यालय के नजदीकी गांव सिल्याण के किसान गोविंद सिंह गुसाईं करीब 10 क्विंटल हेवर्ड कीवी का उत्पादन कर रहे हैं। वह इसे 250 रुपये प्रति किलो तक बेचते हैं। उद्यान विभाग ने धौंतरी में कीवी क्लस्टर बनाने की योजना तैयार की है। मुख्य उद्यान अधिकारी रजनीश सिंह के अनुसार कीवी मिशन के तहत जिले के सैकड़ों किसानों ने सहायता के लिए आवेदन किया है।

वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

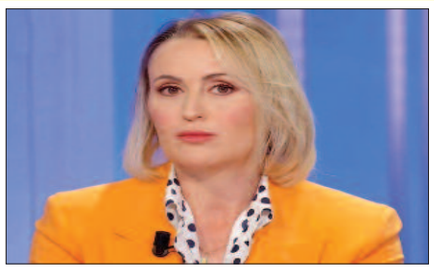
रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

इटली की सांसद बर्गमिनी ने की फिलिबेक के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारा लगाने की आलोचना

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गमिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।



उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छोड़। बर्गमिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक हस्तियों के दखल को लेकर कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा- क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता हो? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और उनसे माफी की मांग की।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

● बिना मंजूरी लिए यूजर्स की फोटो और वीडियो देखने का है आरोप

रोम,एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने मेटा को 60 दिन का समय दिया है। कंपनी को इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करना होगा, साथ ही इसे इस्तेमाल करने से पहले यूजर्स से अलग और मंजूरी लेनी होगी। अथॉरिटी ने कहा है कि वह मेटा के एक दूसरे फीचर की भी अलग से जांच कर सकती है। यह फीचर 2026 में लॉन्च हुआ था और यूजर्स की गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करता है। मेटा ने इस फैसले से असहमति जताई और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है। कंपनी का कहना है कि यह एक सामान्य फीचर है, जो लोगों को फेसबुक पर फोटो और वीडियो पोस्ट करने में मदद करता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स अपने फोन की सेटिंग में जाकर इसकी परमिशन बदल सकते हैं। इस मामले की जांच में यह पता नहीं लगाया गया कि यूजर्स की फोटो और वीडियो का इस्तेमाल एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुआ था या नहीं। मेटा ने ऐसे इस्तेमाल से इनकार किया है।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए।



'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म

दोनों देशों ने व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने संभावनाएं तलाशीं

मोगादिशु, एजेंसी। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।



ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

सर्दियां आते ही स्किन हुई बेजान? इन 6 आसान घरेलू नुस्खों से पाएं गुलाबी निखार



सर्दियां आते ही स्किन नमी खोने लगती है और शरीर में रूखापन, खुजली और फटी त्वचा की समस्या बढ़ने लगती है। सर्द हवाएं और कम नमी वाला वातावरण स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे स्किन डल और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखना काफी जरुरी होता है। अगर आप बाजार के केमिकल युक्त बॉडी लोशन लगाएं तो इससे आपकी स्किन चमक खो देगी। इसके बजाय आप प्राकृतिक चीजें जैसे कि नारियल तेल, एलोवेरा जेल, दूध, शहद और घी त्वचा के अंदर से पोषण प्रदान करके स्किन को सॉफ्ट बनाता है। आइए आपको कुछ आसान और असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जो आपकी स्किन को सॉफ्ट करेगा और बॉडी के रुखेपन और जलन को हटाएगा।

विंटर ड्राईनेस से बचने के लिए 6 घरेलू चीजें

नारियल तेल

कोकोनट ऑयल स्किन को बेहतरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर है। नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट और फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। स्नान के बाद हल्का सा नारियल तेल पूरे शरीर पर लगाएं।

सरसों का तेल

हर भारतीय घर में सरसों का तेल पारंपरिक तरीका है जो सर्दियों में स्किन को गर्मी और नमी देता है। प्रतिदिन नहाने से पहले हल्का गुनगुना तेल शरीर पर लगाएं इसके बाद स्नान करें।

एलोवेरा जेल

स्किन को हाइड्रेट करता है एलोवेरा जेल, इसमें हाइड्रेटिंग प्रॉपर्टीज होती है। इसे रोज नहाने के बाद स्किन पर नमी बरकरार रखने के लिए और खुजली की समस्या को दूर करता है।

दूध और शहद

वैसे दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को सॉफ्ट बनाता है और शहद नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। दोनों को मिलाकर हल्का मसाज करें और इसे 15 मिनट बाद धो लें।

घी

घी एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, इसे खासकर कोहनी, घुटनों और एड़ियों पर लगाने से रूखापन और स्किन फटने की समस्या दूर हो जाती है।

ओट्स और दही

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए यह नुस्खा बेहद कमाल का है। यह प्रकार का नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। ओट्स पाउडर और दही मिलाकर लगाएं, 15 मिनट बाद इसे धो लें, आपकी त्वचा सॉफ्ट होती है।

इन चीजों का ध्यान रखें

» दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं जिससे आपका शरीर अंदर से हाइड्रेट रहेगा।

» बहुत गर्म पानी से नहाने से बचें, यह आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल परत को नुकसान पहुंचाता है।

» डेली मॉइश्चराइजर लगाएं और कॉटन के कपड़े पहनें।

रोजाना हर घर में होता है कि नाश्ता, लंच और डिनर में क्या बनाएं। रोज जो खाने में बनता है बच्चे भी खाने में कमी निकालने लगते हैं। लौकी-तोरई खाकर सब पक भी जाते हैं। इस वजह से आजकल मम्मियां भी सब्जियों को अलग-अलग तरीके से ट्राई करके डिशेज बना सकती है। बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती है, अगर आप बार-बार वहीं सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो घर पर ट्राई करें कॉर्न कोफ्ता की सब्जी। कॉर्न कोफ्ता करी बनाना बेहद आसान है। आइए आपको कॉर्न कोफ्ता की रेसिपी के बारे में बताते हैं।



लौकी-तोरई से ऊब गए? बनाएं ये झटपट कॉर्न कोफ्ता, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

कॉर्न कोफ्ता करी कैसे बनाएं

» सबसे पहले आप कॉर्न कोफ्ता बनाने के लिए पकोड़ो बनाने की आवश्यकता पड़ेगी।

» इसके लिए आप कॉर्न को कद्दूकस कर लें।

» अब आप पल्प को बाउल में निकाल कर आधा हिस्सा प्लेट में रख लें।

» इसमें अब बेसन डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लीजिए।

» अब 1/4 छोटी चम्मच नमक, 1 छोटी चम्मच ग्रेटेड अदरक, 2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च और 4-5 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

» 2-3 मिनट तक घोल को साइड में रख लें और अब कड़ाही में तेल गर्म कर लें।

» अब आप छोटे-छोटे या अपने मनपसंद आकार में पकोड़े बनाकर तैयार कर लें।

ग्रेवी को कैसे बनाएं

» ग्रेवी बनाने के लिए मिक्सर जार में 5 टमाटर, 2 हरी मिर्च और 1 इंच अदरक डालें और इसे बारीक पीस लें।

» इसके बाद पेन में 2-3 बड़े चम्मच तेल डालकर गरम कर 1/2 छोटी चम्मच जीरा और 1 पिंच हींग डालें और इसे भून लीजिए।

» अब टमाटर का पेस्ट डालें और इसे धीरे-धीरे चलाते रहे हैं। अब इसमें 1/2 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटी चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और 1.5 छोटी चम्मच धनिया पाउडर डालकर मिला लें और इसे थोड़ी देर तक चलाते रहे हैं।

» मसाले के आधा पक जाने पर इसमें बचाया हुआ ग्रेट भुट्टा और 1 बड़े चम्मच कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला दीजिए।

» जब उबाल आए तो इसे थोड़ी देर चलाते हुए 5 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी गाढ़ी होने पर बनाएं हुए पकोड़े डाल दें।

» इसके बाद करी को 5 मिनट तक और पकाएं, इसमें 1 छोटी चम्मच घी डाल कर अच्छा से मिलाकर फ्लेम बंद करें।

» यह लीजिए तैयार है आपकी कॉर्न कोफ्ता करी। इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

कॉर्न कोफ्ता बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

» कॉर्न कोफ्ता करी बनाने के लिए आप बेबी कॉर्न को चूज करें।

» मसाला को लो फ्लेम पर ही बनाएं।

» कोफ्ता के पकोड़े बनाते समय गैस को लो फ्लेम पर पकाए और चलाते हुए जरुर पकाएं।

मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी



समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल-गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन-कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब-करीब हर किसी को पसंद आएगा।

पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज मि?व ?स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।

ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

चीज-गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज-गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

अलमारी में बंद ऊनी कपड़ों से आती है बदबू? इन 5 तरीकों से घर बैठे बनाएं खुशबूदार



धीरे-धीरे सर्दियां दस्तक दे रही है। अब मौसम में भी काफी बदलाव आ रहा है। हल्की से ठंड पड़ने लगी है। ऐसे में लोग बंद रखे हुए ऊनी कपड़ों को निकाल रहे हैं। सर्दियों को ऊनी कपड़े सिर्फ साल के दो या 3 महीने पहने जाते हैं। बाकी पूरे साल तो ये कपड़े आलमारी, बक्से, बेडबॉक्स में ही बंद पड़े रहते हैं। जिस वजह से इनमें बदबू भर जाती है। अक्सर होता है कि ऊनी कपड़े जब बक्से और वॉर्डरोब से निकाले जाते हैं तो अंजीब से बदबू आने लगती है। कभी ऊनी कपड़े साफ ना होने की वजह से पसीना और बैक्टीरिया के साथ सीलन की बदबू भर जाती है। ऐसे में बदबूदार ऊनी कपड़ों, जैकेट, शॉल को पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए आपको इन 7 घरेलू तरीकों से ऊनी स्वेटर, जैकेट से आने वाली बदबू को दूर करें।

धूप सबसे बेहतर है

अगर आप ऊनी कपड़ो को बदबू को दूर करना चाहते हैं, तो धूप सबसे सरल और सस्ता उपाय है। वुलन क्लॉथ को धूप में डालने से कपड़ों से दुर्गंध चली जाएगी। कपड़ों पर धूप लगने से नमी, बैक्टीरिया को खत्म कर देंगे। जिससे बदबू भी निकल जाएगी। लेकिन ध्यान रखें कि जब भी तेज धूप हो तो कपड़ों को उल्टा करके रखें। वरना कपड़ो का रंग उड़ सकता है।

बेकिंग सोडा का यूज करें

यदि आप वुलन कपड़े आलमारी में रखने से इनमें सीलन और फफूंद लग गई है, तो कपड़ों से आ रही इस तरह की बदबू को दूर भगाने के लिए बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर कपड़ो को डालकर निकाल दें। यदि आपके पास कपड़ों को धोने का टाइम नहीं है, तो बेकिंग सोडा को कपड़ो पर छिड़कर कुछ देर छोड़ दें और बाद में सूखे कपड़े से साफ कर दें।

वुलन्स पर करें नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे

अगर ऊनी कपड़ों से स्मेल आ रही है, तो इसे दूर करने के लिए नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे बना लें। एक स्प्रे बोतल में पानी भर लें, उसमें एक नींबू का रस और दो से तीन चम्मच गुलाबजल के डाल दें। मिक्स करके इसे ऊनी कपड़ों पर छिड़काव कर दें। इस तरह के स्प्रे से वुलन जैकेट, स्वेटर सबसे नेचुरल भीनी सी स्मेल आएगी और आपके कपड़े भी फ्रेश महकेंगे।

कपूर का करें यूज

वुलन कपड़ों में किसी तरह की महक ना आए इसलिए जब भी इन्हें स्टोर करें तो कपूर लौंग की छोटी पोटली बांधकर वुलन्स के साथ रख दें। इसकी महक कपड़ों में फ्रेशनेस बनाकर रखेगी।

एसेंशियल ऑयल का स्प्रे

अगर आप भी वुलन स्वेटर, जैकेट, शॉल जैसे कपड़ों से बदबू हटाने के लिए एसेंशियल ऑयल को आलमारी में रखें। इसके लिए आप किसी छोटे कपड़े के टुकड़ें में लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की बूंदों को डालकर ऊनी कपड़ों के बीच रख दें। इससे भी वुलन्स के कपड़ों में आ रही बदबू को दूर भागने में मदद मिलेगी।

उत्तराखण्ड गौ सेवा आयोग की सामान्य कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सम्पन्न

प्रत्येक ब्लॉक में गौशाला स्थापित करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जाएं : डॉ. अणथ्वाल



जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष (डॉ.) पंडित राजेंद्र अणथ्वाल की अध्यक्षता एवं उपाध्यक्ष भूपेंद्र कण्डारी की उपस्थिति में सोमवार को पशुधन भवन मोथरोवाला में आयोग की सामान्य कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में गौशाला स्थापित करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जाए, ताकि निराश्रित गोवंश को स्थानीय स्तर पर सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष (डॉ.) पंडित राजेंद्र अणथ्वाल ने कहा कि उत्तराखण्ड सनातन की राजधानी है। देवभूमि उत्तराखण्ड के राज्य निर्माण की मूल परिकल्पना के अनुरूप राज्य सरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में गो, गंगा, गायत्री एवं संत सेवा के कार्यों में निरंतर तत्परता से जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि गोवंश की सेवा में लगे सभी लोगों पर भगवान की विशेष कृपा है। जहां गाय का अनादर होता है, वहां दुर्दशा होना निश्चित है। इस बात पर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। गोमाता के प्रति सम्मान, सेवा एवं संरक्षण हमारी सनातन संस्कृति के मूल भाव हैं। अध्यक्ष ने कहा कि निराश्रित गोवंश के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता न हो तथा गौसदनों एवं गौशालाओं में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गोवंश के भरण-पोषण के लिए मिलने वाला अनुदान निर्धारित समय के भीतर गोसेवकों तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि गौसदनों को दिए जाने वाले अनुदान से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख तक पूर्ण कर ली जाएं, ताकि गौसदनों को समय से अनुदान उपलब्ध कराया जा सके और गोवंश के भरण-पोषण एवं देखभाल में किसी प्रकार की बाधा न आए। अध्यक्ष ने गोहत्या, गौकशी, गौमांस तथा गौ तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए और अधिक सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि गौमांस पकड़े जाने की कार्रवाई के दौरान नमूने एकत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचने वाले पशु चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही इस संबंध में थाना स्तर पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करने को कहा, जिससे ऐसी कार्रवाई में जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। बैठक में निदेशक पशुपालन डॉ. उदय शंकर, संयुक्त सचिव पशुपालन आलोक कुमार सिंह, कृषि/राजस्व से अर्पण कुमार राजू, वन विभाग से मुकेश कुमार राय, अनु सचिव वित्त कृष्ण बडोनी, सीओ डालनवाला नितिन लोहानी सहित गो सेवा आयोग के सदस्यगण एवं विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड में 1123 गौसदन पंजीकृत

बैठक में मुख्य पशु अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड पशुधन विकास परिषद ने बताया कि पशु कल्याण बोर्ड के अंतर्गत प्रदेश में कुल 112 गौसदन पंजीकृत हैं, जिनमें 91 एनजीओ के माध्यम से तथा 21 अनुबंध के आधार पर संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21,454 गोवंश के भरण-पोषण हेतु प्रथम किश्त के रूप में 21 करोड़ 91 लाख रुपये की धनराशि संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। वहीं, द्वितीय किश्त के रूप में 26 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इस दौरान अवगत कराया गया कि डेयरी संचालकों के पंजीकरण से संबंधित नियमावली तैयार कर शासन को भेज दी गई है। यह भी अवगत कराया गया कि गोवंश के भरण-पोषण के लिए भूसे पर दी जाने वाली सब्सिडी शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।

श्री गुरु राम राय की खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू

कर्णप्रयाग। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू हुईं। उपजिलाधिकारी अलकेश नौडियाल और पंजाब नेशनल बैंक की प्रबंधक रूपिका शर्मा ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। रंगारंग कार्यक्रमों और मार्च पास्ट के साथ खेल मैदान में प्रतियोगिताएं शुरू हुईं।

पहले दिन 100 मीटर, 600 मीटर दौड़, लंबी कूद, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट और रिले रेस जैसी स्पर्धाएं हुईं। नर्सरी वर्ग की चेयर रेस में दृष्टि, कृतिका व आरना क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। जिग–जैग रेस में शिवम नेगी, अभिनव मैखुरी व आरुष रावत ने शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। अपर प्राथमिक बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में कार्तिकेय प्रथम रहे जबकि बालिका वर्ग में अनुजा ने पहला स्थान पाया।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत



टिहरी , टिहरी गढ़वाल के राजस्व क्षेत्र बूढ़ाकेदार अंतर्गत चानी मोड़ के पास सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। युवक की स्कूटी को एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हायर सेंटर श्रीनगर ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब पांच बजे सुरेंद्र सिंह (35) पुत्र गब्बर सिंह, निवासी ग्राम मेड मारवाड़ी, बूढ़ाकेदार, स्कूटी से चमियाला से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान चानी मोड़ के पास ट्रक संख्या वड08 उअ 7074 ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में सुरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलेश्वर पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए 108 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से हायर सेंटर श्रीनगर रेफर कर दिया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष प्रशांत बहुगुणा ने युवक की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि घायल को गंभीर हालत में हायर सेंटर श्रीनगर रेफर किया गया था, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गई।

लंबगांव व नई टिहरी कॉलेज में नए शिक्षा सत्र से शुरू होगा इंटीग्रेटेड बीएड

नई टिहरी। उप्पू गढ़ के वीर भड़ कफ्फू चौहान की वीरता और बलिदान को याद करते हुए शिक्षा ने उनकी विरासत को संजोने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने अगले शिक्षा सत्र से फूल सिंह बिष्ट व नई टिहरी पीजी कॉलेज में इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। कहा राजकीय महाविद्यालय नई टिहरी में बीबीए, बीसीए और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। सोमवार को डाइजर में कफ्फू चौहान के स्मारक पर उनकी मूर्ति का अनावरण शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक किशोर उपाध्याय, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण, पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, चंबा की पालिकाध्यक्ष शोभनी धनोला, ब्लॉक प्रमुख सुमन सजवाण, दायित्वधारी खेम सिंह चौहान, पूर्व विधायक डा. धन सिंह नेगी ने संयुक्त रूप से किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के 52 गढ़ों में शामिल उप्पू गढ़ के भड़ कफ्फू चौहान की वीरता आज भी लोगों को प्रेरित करती है। मंत्री डॉ. रावत ने प्रतापनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 6.69 करोड़ की लागत से बने राजकीय पॉलीटेक्निक भवन ओखालाल का लोकार्पण भी किया। उन्होंने अगले शिक्षा सत्र से फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय लंबगांव और राजकीय महाविद्यालय नई टिहरी में इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की।

बरसात से बंद सड़क नहीं खुली, ग्रामीण चढ़ रहे खड़ी चढ़ाई



कर्णप्रयाग। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गैरोली मल्ली और कनोट गांवों को जोड़ने वाली तीन किमी लंबी सड़क बीते मानसून काल से बंद पड़ी है। लोनिवि गौचर के अधीन आने वाली इस सड़क के न खुलने से ग्रामीणों को दो किमी की खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ रही है। ग्रामीणों ने जल्द सड़क नहीं खोलने पर दी आंदोलन की चेतावनी। गैरोली के प्रधान सुशील गैरोला, नवयुवक मंगल दल अध्यक्ष रोहित गैरोला, शशि गैरोला, योगेंद्र गैरोला, भगवती प्रसाद व कनोठ के रवींद्र नेगी, सुरेंद्र सिंह, हरि सिंह, खुशाल सिंह और नरेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए उन्हें रोजाना डेढ़ से दो किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई पैदल नापनी पड़ रही है। गांवों में अधिकांश बुजुर्ग लोग ही रहते हैं जिन्हें सबसे अधिक संकट झेलना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में लोनिवि के अधिशासी अभियंता के अलावा अन्य अफसरों के साथ ही एसडीएम और विधायक को भी कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है। इसके बावजूद विभाग की ओर से सड़क नहीं खोली गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि जल्द सड़क नहीं खोली गई तो वे आंदोलन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सवालों से बचने के लिए रास्ता बदल रहे जनप्रतिनिधि

घनसाली (टिहरी)। भिलंगना ब्लॉक के घुत्तू बाजार में आयोजित जन चौपाल में स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र की खस्ताहाल सड़कों, बदहाल स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो पाया है। पिछले चुनाव के दौरान क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का वादा किया गया था लेकिन इन पांच सालों में समस्याएं जस की तस है। वक्ताओं ने कहा कि आमजन को घनसाली विधायक से पांच साल का हिसाब मांगना चाहिए।

भिलंग क्षेत्र में आयोजित चौपाल में वक्ताओं ने कहा कि घुत्तू–घनसाली मोटर मार्ग लंबे समय से बदहाल है। सड़क की दशा सुधारने के लिए लगातार मांग करने पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कंडारगांव स्कूल बदहाल बना है। देवंज, महरगांव और ग्राम पंचायत लोम सहित कई गांव सड़क के लिए तरस रहे हैं।

क्षेत्र के लोगों ने भिलंग क्षेत्र की सड़कों, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने की मांग की। चौपाल में क्षेत्र पंचायत सदस्य नित्यानंद कोठियाल, प्रधान अक्षित रावत, सागर भट्ट, सुरजीत चौहान, समन धनाई, सुमित राणा, दीपक पैन्यूली, सूर्य सेमवाल, जयपाल, प्रदीप पल्लू, कपिल, सुरजीत गुसाईं मौजूद थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

नारायणबगड़। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान तेज करने पर जोर दिया है। बैठक में मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों की ओर से किए गए भ्रष्टाचार को आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में थराली विधानसभा प्रभारी बीरेंद्र सिंह रावत, पूर्व विधायक डॉ. जीतराम और प्रदेश सचिव संदीप कुमार पटवाल शामिल थे। वरिष्ठ नेता बिजेंद्र सिंह रावत, प्रवींद्र नेगी, सुदर्शन सिंह रावत, सेक्टर प्रभारी और बूथ अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

विज्ञान महोत्सव में बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

नई टिहरी। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ राजकीय इंटर कॉलेज ढुंगीधार में शिक्षा विभाग की पहल पर दो दिवसीय जिला स्तरीय विज्ञान महोत्सव शुरू हुआ। महोत्सव में बाल वैज्ञानिकों ने विज्ञान के मॉडलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा और नवाचार की झलक दिखाई।महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक किशोर उपाध्याय और नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया। विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे बाल वैज्ञानिकों ने प्रदर्शनी में अपने मॉडल प्रस्तुत किए। विधायक किशोर उपाध्याय ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत सही दिशा में मेहनत और तैयारी करने की है।पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कहा कि विज्ञान महोत्सव बच्चों को अपनी सोच और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अच्छा मंच है। विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से जीवन की समस्याओं के समाधान भी खोजे जा सकते हैं। इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज ढुंगीधार के प्रधानाचार्य डॉ. सुशील कोटनाला की पुस्तक अभिज्ञानत्रिहरीम का विमोचन भी किया गया।

अनशन पर बैठे भट्ट और बुटोला का डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले बौराड़ी के गणेश चौक में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर अनशन पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट और छात्र नेता राहुल बुटोला का डॉक्टरों की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े लोगों ने सरकार से शीघ्र मामले में हस्तक्षेप कर मांग के समाधान करने की गुहार लगाई है। मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर गणेश चौक में पांचवें दिन भी अनशन जारी रहा। जिला अस्पताल बौराड़ी के डॉ. बृजेश डोभाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने धरना स्थल पर जाकर दोनों अनशकारियों के वजन, बीपी, शूगर आदि की जांच की। खून और पेशाब के सैंपल लिए।

छात्र को थमा दिया बोलेरो का स्टेयरिंग, वाहन पलटने से मची चीख–पुकार



पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के गंगोलीहाट क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे में धुत बोलेरो चालक ने सफर के दौरान 13 वर्षीय नाबालिग छात्र को वाहन का स्टेयरिंग थमा दिया। छात्र वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया और बोलेरो सड़क किनारे खड़े बोल्डर से टकराकर पलट गई। गनीमत रही कि वाहन खाई की ओर नहीं गिरा, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवेकानंद स्कूल गंगोलीहाट के छात्र–छात्राएं एक कोचिंग संस्थान के माध्यम से शिक्षक हिमांशु उप्रेती के साथ बीते रविवार को शैक्षिक भ्रमण पर पिथौरागढ़ गए थे। इस दौरान बच्चों ने गुरना मंदिर और चंडाक क्षेत्र का भ्रमण किया। वापसी के दौरान शिक्षक दूसरी गाड़ी से रवाना हुए, जबकि बोलेरो वाहन में चालक गणेश बुंगला सहित कुल 11 छात्र–छात्राएं सवार थे।

बताया जा रहा है कि बोलेरो चालक नशे की हालत में था। आरोप है कि उसने चलते वाहन में अपने बगल में बैठे 13 वर्षीय छात्र को स्टेयरिंग थमा दिया। कुछ ही देर में छात्र वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और पिथौरागढ़ से करीब 30 किलोमीटर दूर घाट के पास बोलेरो सड़क किनारे बोल्डर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद वाहन में सवार बच्चों में चीख–पुकार मच गई।

सात छात्र–छात्राएं और चालक घायल

हादसे में कुमतोला निवासी शशि (16), बुंगली निवासी तेजस (13), पाताल भुवनेश्वर निवासी कुमकुम बिष्ट (16), हर्षित (15), प्रियांशु (16), रिया (16) सहित चालक गणेश बुंगला घायल हुए। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि

पुलिस ने घटनास्थल पर छात्र–छात्राओं से पूछताछ की। बच्चों ने चालक के नशे में होने और नाबालिग छात्र को स्टेयरिंग सौंपने की बात बताई। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें उसके शराब के सेवन की पुष्टि हुई। पुलिस द्वारा नशे में वाहन चलाने और बच्चों की जान जोखिम में डालने के मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

इस घटना ने स्कूली बच्चों को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाने वाले वाहन चालकों और आयोजकों की जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि यदि चालक नशे में था तो बच्चों को उसकी गाड़ी में सफर क्यों कराया गया? नाबालिग बच्चे को स्टेयरिंग सौंपना बेहद गैर–जिम्मेदाराना कदम है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई और स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रभावी निगरानी बेहद जरूरी है।

1962 सेवा से 2.48 लाख पशुपालकों को मिला लाभ

कर्णप्रयाग। प्रदेश के दूरस्थ गांवों और जनजातीय क्षेत्रों में पशुधन के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए संचालित 1962 मोबाइल पशुचिकित्सा सेवा ने चार वर्ष पूरे कर लिए हैं। चमोली जिले के प्रभारी मनमोहन सिंह ने बताया कि पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा के मार्गदर्शन में संचालित इस सेवा से अब तक प्रदेश के 2.48 लाख से अधिक पशुपालक लाभान्वित हुए हैं जबकि 5.86 लाख से अधिक पशुओं का उपचार किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 16 नवंबर 2022 को इस सेवा की शुरुआत की थी। वर्तमान में ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से संचालित यह सेवा पशुपालकों को घर पर ही आपातकालीन पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रही है।

जबरन विद्युत पोल लगाने का आरोप हटाने के लिए काट रहे चक्कर

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में सीडीओ वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। नरेंद्रनगर ब्लॉक के ग्राम जंगलेथ निवासी सुशीला देवी ने आपदा के दौरान मकान क्षतिग्रस्त होने की समस्या उठाई। उन्होंने सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किए जाने की मांग की। सीडीओ ने एसडीएम नरेंद्रनगर को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जौनपुर ब्लॉक के ग्राम झकोगी निवासी जबर सिंह ने बंग्याल– ज्वार मोटर मार्ग पर भौकियाल से उसत्याण तक दो किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग की। उन्होंने बताया कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। सीडीओ ने लोनिवि चंबा को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। नई टिहरी के मॉडल हाउस निवासी सत्य प्रसाद नौटियाल ने बिजली का बिल अधिक आने की शिकायत करते हुए मीटर बदलने की मांग की।

थौलधार के ग्राम बौर निवासी आजाद सिंह ने पैत्रक भूमि पर जबरन विद्युत पोल लगाए जाने की शिकायत दर्ज की। उन्होंने बताया कि लाइनमैन कई दिनों से पोल हटाने की बात कह रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। सीडीओ ने ऊर्जा निगम के ईई को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के साथ ही पूर्व में दर्ज मामलों की नियमित समीक्षा की जा रही है।

आनन्द बर्द्धन ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की



देहरादून। लोक आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर उत्तराखण्ड के मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्ध जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्य सचिव ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व आस्था, विश्वास, तपस्या, त्याग और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की भावना को प्रदर्शित करता है। छठ पूजा में भगवान सूर्यदेव की उपासना के साथ छठी मैया की आराधना की जाती है। श्रद्धालु कठिन व्रत, उपवास और पारंपरिक रीति–रिवाजों के माध्यम से परिवार एवं समाज की सुख–समृद्धि तथा खुशहाली की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि सूर्य उपासना का यह पावन पर्व हमें प्रकृति के महत्व को समझने और उसके संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। छठ महापर्व स्वच्छता, अनुशासन, संयम, समर्पण और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है। यह पर्व समाज के विभिन्न वर्गों को आपसी भाईचारे, सद्भाव और सामूहिक सहभागिता के सूत्र में बांधने का कार्य करता है। मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया से प्रार्थना की कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, आरोग्यता और समृद्धि बनी रहे। उन्होंने कामना की कि उत्तराखण्ड निरंतर विकास और उन्नति के नए आयाम स्थापित करे तथा प्रदेशवासियों का जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहे।

पुल निर्माण की धीमी रफ्तार से 250 परिवारों की परेशानी बरकरार

नई टिहरी। कागजों में भले ही सीमांत गेंवाली गांव तक सड़क तक पहुंच गई लेकिन पुल का निर्माण पूरा नहीं होने से गेंवाली गांव के करीब 250 परिवारों को पूरी तरह से सड़क सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जाखणा के समीप गेंवाली गाड पर निर्माणाधीन पुल का काम धीमी गति से चल रहा है। इसके चलते ग्रामीणों को गेंवाली गाड से गांव तक करीब एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। घरों तक सामान पहुंचाने के लिए घोड़े–खच्चरों का सहारा लेना पड़ रहा है।

गेंवाली गांव को सड़क से जोड़ने के लिए वर्ष 2020 में स्वीकृति मिली थी। इसके बाद विनयखाल से गेंवाली तक करीब छह किलोमीटर सड़क का निर्माण वर्ष 2022 में पूरा कर लिया गया लेकिन गेंवाली गाड पर बनने वाला पुल अब तक अधूरा है। करीब 30 मीटर लंबे इस पुल के निर्माण की शुरुआत से ही काम की गति धीमी रही है। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पुल निर्माण के लिए 2.12 करोड़ स्वीकृत किए गए थे। निर्माण के दौरान पिछले वर्ष अगस्त में आई आपदा से पुल को नुकसान पहुंचा था। इसके बाद कुछ समय तक काम प्रभावित रहा। वर्तमान में भी निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। लगातार देरी के चलते पुल की निर्माण लागत बढ़कर 3.60 करोड़ तक पहुंच गई है।

गेंवाली के पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत ने बताया कि गांव तक सड़क पहुंचने के बावजूद पुल नहीं बनने से ग्रामीणों की परेशानी जस की तस बनी है। गेंवाली गाड से गांव तक करीब एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। घर का सामान गांव तक पहुंचाने के लिए घोड़े–खच्चरों का भाड़ा देना पड़ता है।

बाल वैज्ञानिकों ने ड्रोन, भूकंप चेतावनी के मॉडल प्रस्तुत किए

रुद्रप्रयाग। राइंका में सोमवार को जनपदीय विज्ञान महोत्सव एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी क्विज प्रतियोगिता हुई। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। महोत्सव की थीम "सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार" रही। प्रदर्शनी के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किए जिसमें ड्रोन, आपदा प्रबंधन अलर्ट सिस्टम, भूकंप चेतावनी उपकरण, कृषि आधारित तकनीक और स्मार्ट चश्मे के आकर्षक मॉडल रहे। महोत्सव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण, गणितीय मॉडलिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, स्वदेशी कृषि पद्धतियों, ग्रामीण परिवर्तन और आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर आधारित परियोजनाएं भी प्रस्तुत की गईं। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महावीर पंवार ने कहा कि विज्ञान महोत्सव से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने और नई तकनीक सीखने का अवसर मिलता हैं। प्रधानाचार्य नरेश जमलोकी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है। इस अवसर पर जिला विज्ञान समन्वय बीएस जेठूड़ी शिक्षक अश्वनी गौड़, सुबोध गैरोला व धीरेन्द्र बर्त्वाल, रमेश मैठाणी विशन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर-लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, 'खिलाड़ियों के इस खास समूह का हिस्सा बनना बहुत शानदार लग रहा है। मैं अपनी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत



में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चैंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

पहले सेट की शुरुआत में एंड्रीवा और स्वितोलिना दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर रूसी खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बचाते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। आंद्रीवा 5-4 के स्कोर पर सेट अपने नाम करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने तीसरी बार स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपने दूसरे मौके को भुनाते हुए सेट जीत लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने आखिरी दो गेम्स में सिर्फ दो अंक गंवाए और जीत पक्की की, जिसके साथ ही उन्हें 3.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। साल का अंत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर 2 के साथ करने वालीं आंद्रीवा ने खिताब जीतने के बाद अपनी टीम का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर दिन उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करती है और ऐसे दिनों में भी मेहनत करवाती है जब उनका काम करने का मन नहीं होता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंत में मैं खुद को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डबल्स खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई अपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे



लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।

शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव



बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंस लीगः

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह

विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

दुबई, एजेंसी। जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्निर्युक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके



अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है। आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्निर्युक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दर्शाता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी पुनर्निर्युक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, 'आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना हा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके।' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी



चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंगटन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण - उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र



सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.



शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए. मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए. अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.